न्यूज डायरी

स्वीडन की नदी में मिला पाकिस्तान के निर्वासित पत्रकार का शव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पिछले 2 महीने से लापता पाकिस्तान के निर्वासित पत्रकार साजिद हुसैन (रपक भ्नेंपद) का शव स्वीडन की एक नदी में मिला है। पाकिस्तान में हो रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन और सरकार की ज्यादतियों के खिलाफ लगातार आवाज उठाते रहने वाले साजिद ने स्वीडन में शरण ले रखी थी। स्वीडन के उपासला शहर की फाइरिस नदी में साजिद की लाश मिली है। वह दो मार्च से ही लापता थे। साजिद पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के मूल निवासी थे और वहां सरकार की ओर से होने वाली ज्यादतियों के खिलाफ आवाज उठाते थे। साजिद हुसैन की हत्या में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के शामिल होने का शक जताया जा रहा है। साजिद, बलूचिस्तान क्षेत्र में पाकिस्तान सरकार की तरफ से होने वाली ज्यादतियों को लेकर मुखर रहते थे। उन्होंने यहां पर लोगों के जबरन लापता होने और ड्रग्स माफियाओं पर लेख लिखा था। इसके बाद उन्होंने 2012 में ही पाकिस्तान छोड़ दिया था।

चीन में कोरोना वायरस मामलों की संख्या घटकर एक हुई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन, जहां घातक कोरोना वायरस सबसे पहले पिछले साल दिसंबर में उभरा था, वहां कोविड–19 का बस एक नया मामला सामने आया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने शनिवार को बताया कि मृतक संख्या 4,633 ही बनी हुई है और कोविड–19 से किसी के मरने का नया मामला सामने नहीं आया है। आयोग ने बताया कि शुक्रवार तक चीनी मुख्यभूमि में कुल 82,875 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हो चुकी थी। इनमें से करीब 77,685 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। इसने कहा कि शुक्रवार को कोरोना वायरस का एक नया मामला सामने आया जो विदेश से ही यह संक्रमण लेकर आया था। घरेलू स्तर पर संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। चीन में विदेशों से कोरोना वायरस से संक्रमित होकर आए लोगों की कुल संख्या 1,671 है जिसमें से सात की स्थिति नाजुक बनी हुई है।

वुहान से मिले संकेत, असली जंग लॉकडाउन के बाद शुरू होगी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वुहान। घरों में बंद दुनिया के ज्यादातर लोग जल्द से जल्द यह खुशखबरी सुनना चाहते हैं कि कोरोना महामारी पर काबू पा लिया गया है और अब सामान्य जिंदगी शुरू होने वाली है। लेकिन क्या लॉकडाउन खत्म होने के बाद जिंदगी पहले जैसी सामान्य हो जाएगी? इसका जवाब हमें महामारी के केंद्र रहे चीन के वुहान से मिल सकता है। 8 अप्रैल को वुहान में 76 दिन के बेहद कड़े लॉकडाउन को खत्म किया गया था। वुहान में छूट मिलने के बाद भी वहां के हालात देखकर लगता है कि पहले जैसी जिंदगी अभी बहुत दूर है। असली लड़ाई तो लॉकडाउन खत्म होने के बाद शुरू हुई है। मीडिया रपटों के अनुसार वुहान के जमीनी हालात चीन के सरकारी दावों से बिलकुल उलट हैं। वुहान के लोगों और व्यापारियों की नई जिंदगी बहुत कठिन है।

लॉकडाउन में छूट का ऐलान, डिक्शनरी देखने दौड़े लोग!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रोम। इटली के प्रधानमंत्री ग्यूसेप कोंते ने जब कहा कि सरकार कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से करीब आठ हफ्तों से चले आ रहे लॉकडाउन से देश के कुछ हिस्सों में रियायत देगी तो ऐलान से खुश इटलीवासी अचानक ही डिक्शनरी में कुछ शब्दों को तलाशने लगे। कोंते ने दरअसल घोषणा की कि चार मई से इटली के लोगों को अपने श्कॉनज्यूनिटीश के साथ अपने गृह क्षेत्र में घूमने के लिए यात्रा की इजाजत होगी। श्कॉनज्यूनिटीश औपचारिक इतालवी शब्द है जिसका मतलब रिश्तेदार, संबंधी या प्रियजन हो सकता है।
बंद के दौरान इतालवी लोगों को आवश्यक सेवाओं या राशन की खरीद जैसे महत्वपूर्ण कामों के लिए ही घर से निकलने की इजाजत है। ऐसे में कई हफ्तों से घर में रहकर बोर हो चुके इटली वालों ने स्पष्टीकरण मांगा। कौन सा रिश्तेदार?

दुनिया के सामने आए किम जोंग उन, बिल्कुल स्वस्थ

किम जोंग उन ने शुक्रवार को प्योंगयांग के पास एक उर्वरक कारखाने का उद्घाटन किया

उद्घाटन

■काले कपड़े पहने मुस्कराते नजर आए किम जोंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन जिंदा हैं और पूरी तरह से स्वस्थ हैं। पिछले 20 दिनों से दुनियाभर की मीडिया में चल रही मौत की अफवाहों के बीच किम जोंग उन ने शुक्रवार को प्योंगयांग के पास एक उर्वरक कारखाने का उद्घाटन किया। करीब 3 सप्ताह के बाद पहली बार किम जोंग उन सार्वजनिक रूप से नजर आए हैं। किम जोंग उन के इस कार्यक्रम का वीडियो भी आ गया है।
इस वीडियो में किम जोंग पूरी तरह से स्वस्थ नजर आ रहे हैं। उन्होंने खुद ही पूरी फैक्ट्री का भ्रमण किया और उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान वहां पर मौजूद हजारों लोगों ने हाथ हिलाकर किम जोंग उन का स्वागत किया। किम

जोंग ने भी उनके बीच जाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। किम के इस वीडियो के साथ ही उन अटकलों पर विराम लग गया कि जिसमें यह कहा जा रहा था कि वह गंभीर रूप से बीमार हैं।

उत्तर कोरिया के आधिकारिक समाचार प्रतिष्ठान 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने बताया कि किम अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सुनचोन में शुक्रवार को कार्यक्रम में शामिल हुए। इसमें उनकी बहन किम यो जोंग भी शामिल हुईं।

विश्लेषकों का अनुमान है कि किम जोंग उन के बाद उनकी बहन ही देश की बागडोर संभालेंगी। सरकारी अखबार 'रोडोंग सिनमुन' ने किम की कई तस्वीरें प्रकाशित की थीं जिनमें वह काले कपड़े पहने मुस्कराते नजर आ रहे थे।

तस्वीरों में किम जोंग उन लाल रंग का रिबन काटते दिखाई दे रहे हैं। साथ ही बड़े परिसर में हजारों कामगार कतारों में खड़े होकर हवा में गुब्बारे छोड़ते दिखाई देते हैं और उनमें से कई मास्क लगाए दिखते हैं। तस्वीर और वीडियो दोनों से ऐसे कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिले हैं कि जिससे यह कहा जा सके कि किम जोंग उन स्वस्थ नहीं हैं। उन्होंने चलते वक्त सहारे के लिए कोई लाठी भी नहीं ले रखी थी जैसे कि उन्होंने 2014 में तब ली थी जब वह टखने की सर्जरी से उबर रहे थे।

20 दिन से नहीं दिखाई दिए थे किम जोंग उन: हालांकि किम जोंग उन की तस्वीर में उनकी ग्रीन इलेक्ट्रिक गाड़ी दिखी जो वैसा ही वाहन है जैसा उन्होंने 2014 में इस्तेमाल किया था। वह 11 अप्रैल के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए हैं। उनके स्वास्थ्य को लेकर तब से ही अटकलें लगाई जा रही थीं जब वह अपने दिवंगत दादा किम इल सुंग की जयंती पर आयोजित समारोह में शामिल नहीं हुए थे।

अमेरिका ने कोरोना की जादुई दवा को दी मंजूरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाशिंगटन। अमेरिका के खाद्य और प्रशासन औषधि (एफडीए) ने कोविड–19 के मरीजों के इलाज के लिए वायरल रोधी दवा रेमडेसिविर के इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है। रेमडेसिविर दवा इबोला के मरीजों के लिए बनाई गई थी। इस बीच अमेरिका में कई अस्पताल कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों के इलाज में मलेरिया के उपचार में काम आने वाली दवा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन का भी इस्तेमाल कर रहे हैं।
चिकित्सा पत्रिका 'एमडेज' में शुक्रवार को प्रकाशित एक खबर के अनुसार, मलेरिया के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन (एचसीक्यू) और तोसीलिजुमैब दवा से येल न्यू हेवन हेल्थ सिस्टम के अस्पतालों में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों का इलाज हो रहा है।
भारतीय–अमेरिकी हृदयरोग विशेषज्ञ निहार देसाई ने पत्रिका को बताया, 'यह सस्ती दवा है, इसका दशकों से इस्तेमाल किया जाता रहा है और लोग इससे आराम महसूस कर रहे हैं।' देसाई ने कहा, 'हम अपनी ओर से भरसक प्रयास कर रहे हैं। उम्मीद करते हैं कि हमें फिर से कोरोना वायरस वैश्विक महामारी जैसी किसी चीज का सामना कभी न करना पड़े।'

पैगंबर मोहम्मद का मजाक उड़ाने वालों का सिर कलम हो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के एक मंत्री के पैगंबर मोहम्मद का मजाक उड़ाने वाले लोगों के सिर कलम करने के बयान से विवाद हो गया है। पाकिस्तान के संसदीय कार्यमंत्री अली मोहम्मद खान ने ट्वीट कर यह बयान दिया। दरअसल, देश में इस वक्त अहमदी मुस्लिमों को देश की अल्पसंख्यक काउंसिल में प्रतिनिधित्व देने को लेकर बहस चल रही है। अहमदी इस बात में विश्वास नहीं रखते हैं कि मोहम्मद आखिरी पैगंबर थे। अली मोहम्मद ने ट्वीट किया कि जो लोग पैगंबर मोहम्मद का मजाक उड़ाते हैं उनके लिए सिर्फ सिर कलम करना ही सजा है।

गाय पर बयान देकर फंसी संयुक्त अरब अमीरात की राजकुमारी, देनी पड़ी सफाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अबूधाबी। कोरोना महामारी के बीच भारत में कथित रूप से मुसलमानों के खिलाफ बढ़ रही नफरत के खिलाफ संयुक्ध्त अरब अमीरात की राजकुमारी हेंद अल कासिमी अभियान चला रही हैं। यूएई की प्रध्सिेस सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव हैं और लगातार ट्वीट करके वार और पलटवार कर रही हैं। इस बीच शुक्रवार को गाय को लेकर भारत पर हमला करना उनको महंगा पड़ गया और उन्हें सफाई देनी पड़ी। राजकुमारी ने अमेरिका में कुत्ते को लेकर लोगों के बर्ताव के बहाने भारत पर निशाना साधा। हेंद अल कासिमी ने कहा, भारत

अमेरिका में कुत्ते को लेकर लोगों के बर्ताव के बहाने भारत पर निशाना साधा

में लोग इंसान से ज्यादा गाय के साथ अच्छा व्यवहार करते हैं। उनके इस ट्वीट के बाद ट्विटर पर कॉमेंट की बाढ़ आ गई। दिनेश नाम के यूजर ने लिखा, भारत और हिंदुओं के खिलाफ जिस तरह का जहर आप पिछले कुछ सप्ताह में खाड़ी देशों में फैला रही हो, यह लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहा है। मैं यूएई के किंग से अपील करता हूं कि वह इस घृणा फैलाने वाली महिला के खिलाफ ऐक्शन लें।
राजकुमारी को देनी पड़ी सफाई कुमार पवन ने लिखा, श्कौन हमारे देश के बारे कह रहा है? आप केवल अपने लोगों और देश का ध्यान रखिए। हम भारत में शांति के साथ रह रहे हैं। केवल कुछ घटनाओं को पूरे देश के हालात नहीं बताया जा सकता है। हालांकि कुछ ऐसे भी थे जिन्ह्होंने राजकुमारी के बयान का समर्थन किया। बढ़ते विवाद को राजकुमारी को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने सफाई दी।

प्रिंसेस हेंद अल कासिमी ने ट्वीट कर कहा, श्मैंने कभी गाय के पूजा की आलोचना नहीं की। मैंने एक तथ्थ्य रखा था। गाय की एक देवता की तरह से पूजा होती है और हिंदू धर्म शांति का पाठ पढ़ाता है। लेकिन लोगों का एक नया हिंसात्मक राजनीतिक समूह अल्पसंख्यकों को गाली दे रहा है।

डब्ल्यूएचओ के डॉक्टर बोले, प्राकृतिक रूप से पैदा हुआ है कोरोना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। विश्व स्वास्थ्य संगठन में आपात स्थितियों के प्रमुख डॉक्टर माइकल रायन ने कहा है कि डब्ल्यूएचओ को भरोसा है कि कोरोना वायरस प्राकृतिक रूप से पैदा हुआ है। उन्होंने ये बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद कही, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि उनके पास बात की बहुत सारी जानकारी है जो ये दिखाती है कि कोरोना वायरस चीन के वायरोलॉजी इंस्टीट्यूट से पैदा हुआ है। रायन ने कहा कि डब्ल्यूएचओ की टीम ने बार–बार बहुत सारे वैज्ञानिकों से इस पर चर्चा की है, जिन्होंने वायरस के जीन सीक्वेंस को देखा है और हमें इस बात का पूरा भरोसा है कि ये वायरस प्राकृतिक रूप से पैदा हुआ है। उन्होंने ये भी कहा कि कोरोना वायरस से प्राकृतिक होस्ट का पता लगाना जरूरी है, ताकि इसके बारे में अधिक जानकारी मिल सके और भविष्य में ऐसे खतरे से बचा जा सके। लॉकडाउन के चलते देश के अलग–अलग राज्यों में फंसे हुए लाखों मजदूरों को उनके गृह राज्य पहुंचाने का काम शुरू हो गया है। तेलंगाना के लिंगमपेल्ली में फंसे झारखंड के 1200 मजदूरों को लाने के लिए आज एक स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था की गई।